100 साल बाद सच साबित हुई आइंस्टीन की बात

गुरुत्वाकर्षण तरंगों का पता लगाने वाली टीम में गुजरात के भी वैज्ञानिक

आईआईटी-गांधीनगर के प्रो.सेनगुप्ता का अहम योगदान

अहमदाबाद @ पत्रिका

patrika.com/city

आइंस्टीन के सापेक्षता के सिद्धांत की खोज के ठीक 100 वर्ष बाद वैज्ञानिकों ने बेहद अहम खोज की है। वैज्ञानिकों ने गुरुत्वाकर्षण तरंगों की खोज की है। यह तरंगें प्रकाशीय तरंगों से पूरी तरह अंतर है। इन तरंगों का सबसे पहले पता 12 सितम्बर 2015 को पता चला।

आइंस्टीन की ओर से सौ साल पहले की गई गुरुत्वाकर्षण तरंगों की भविष्यवाणी को प्रयोग के माध्यम से खोज निकालने वाली वैज्ञानिकों की टीम में गुजरात के भी वैज्ञानिक शामिल हैं। इसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-गांधीनगर (आईआईटी-जी) के प्रोफेसर आनंद सेनगुप्ता का अहम योगदान रहा। इसके अलावा गुजरात के ही एक अन्य संस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ प्लाज्मा रिसर्च (आईपीआर) गांधीनगर के वैज्ञानिकों की भी अहम भूमिका रही।

प्रो.सेनगुप्ता व उनकी टीम के छह अन्य सदस्यों ने ऐसी कंप्यूटर तकनीक विकसित की जिसके माध्यम से गुरुत्वाकर्षण की कमजोर तरंगों की आवाज को बढ़ाकर अच्छी आवाज में सुना जा सका, जिसका इस खोज में अहम योगदान रहा। प्रो.सेनगुप्ता बताते हैं कि इस खोज में वो बीते 12 सालों से लगे हुए हैं।

पढ़ें 100 साल @ पेज 9

patrika Sat, 13 February 2016
epaper.patrika.com/c/8584199